आपका संघ - आपके लिए - आपके द्वारा

"जुड़िए अपनी जड़ों से"

युवक परिषद् के कार्यक्रम

1. **विहार सेवा :** क्षेत्र में विराजित संत सतीवृद्ध के विचरण विहार में सक्रिय सहयोग देकर नियमित सेवा का लाभ लिया जा सकता है।
2. **सामायिक स्वाध्याय :** प्रतिदिन सामुहिक प्रार्थना, सामायिक आराधना एवं नवीन स्वाध्याय अध्यन द्वारा अपनी समय का सदुपयोग करना।
3. **भगवान महावीर का जीवन दर्शन :** माह के अन्तिम रविवार को पारिवारिक सामुहिक सामायिक द्वारा स्थानको में भगवान महावीर के जीवन के चरित्र का व्यास्थित अध्यन चल रहा है उससे जुड़ कर शासन नायक के जीवन चरित्र, सिद्धांतों को समझना तथा अपने जीवन का निर्माण करना।
4. **गुरु निष्ठा :** माह के प्रत्येक पूर्णिमा को जमीकंद का तथा रात्रि भोजन का त्याग रखना ताकि गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा उनके वचनों का पालन करके निभायी जा सके। रत्न संघ एप्प जरूर डाउनलोड करें।
5. **प्रतिदिन दान :** गृहस्थ का धर्म दान देना है। इसके लिए अपने घर में एक पेटिका रखें, ना होने पर परिषद् से ले ले, उसमें घर का प्रत्येक सदस्य प्रतिदिन कुछ ना कुछ अवश्य डाले। माह के अन्त में वह राशि परिषद् को सौंप दें अपने इच्छित कार्य में व्यय करने के आग्रह के साथ तथा प्रभावी पुण्यनार्जन करें।
6. **नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षण शिविर :** युवाओं में नैतिकता एवं संस्कारों का वपन करने के लिए प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी इन शिविरों का आयोजन 17 से 31 मई को होगा। 5 वर्ष से बड़े सभी युवक/युवती इन शिविरों के माध्यम से अपना व्यक्तित्व और अध्यात्म का विकास कर सकते हैं। इस हेतु केन्द्रीय कार्यालय से सम्पर्क करें - फोन : 0291 2636763 • Email : yuvakparishad@gmail.com

।। जय गुरु हीरा ।।

।। जय महावीर ।।
।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।।

।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | **जनवरी 2020 JANUARY** | विक्रम संवत् 2076 पौष–माघ

वार						
रवि SUN	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	अश्विनी 12-26 **5** पौष शुक्ल 10	पुष्य 11-49 **12** माघ कृष्णा 2	विशाखा 23-40 **19** माघ कृष्णा 10	धनिष्ठा 30-48 दीक्षा शताब्दी वर्ष प्रारम्भ सामायिक दिवस **26** आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 100वाँ दीक्षा-दिवस माघ शुक्ल 2
सोम MON	रवि पुष्य नक्षत्र 11 जनवरी, शनिवार, दोपहर 01:30 से 12 जनवरी, रविवार दोपहर 11:49 बजे तक	भरणी 14-14 **6** पौष शुक्ल 11	आश्लेषा 09-54 **13** माघ कृष्णा 3	अनुराधा 23-29 **20** माघ कृष्णा 11	शतभिषा 00-00 **27** माघ शुक्ल 3
मंगल TUE	पंचक 30 दिसम्बर 2019 सोमवार प्रातः 09.34 से 04 जनवरी, शनिवार प्रातः 10.04 बजे तक 26 जनवरी, रविवार सांय 05.38 से 31 जनवरी, शुक्रवार सांय 06.09 बजे तक	कृतिका 15-23 **7** पौष शुक्ल 12	मघा 07-54 29-56 **14** उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. का 86वाँ जन्म-दिवस माघ कृष्णा 4	ज्येष्ठा 23-42 **21** माघ कृष्णा 12	शतभिषा 09-22 **28** माघ शुक्ल 3
बुध WED	पूभा-28-22 **1** पौष शुक्ल 6	रोहिणी 15-50 **8** पौष शुक्ल 13	उफा 28-06 **15** माघ कृष्णा 5	मूल 24-19 **22** माघ कृष्णा 13	पूभा 12-12 **29** बसंत पंचमी माघ शुक्ल 4
गुरु THU	उभा 31-19 **2** गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती पौष शुक्ल 7	मृगशिरा 15-37 चतुर्दशी **9** आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 110वाँ जन्म-दिवस पौष शुक्ल 14	हस्त 26-30 **16** माघ कृष्णा 6-7	पूषा 25-20 चतुर्दशी **23** माघ कृष्णा 14	उभा 15-11 **30** माघ शुक्ल 5
शुक्र FRI	रेवती 00-00 अष्टमी **3** पौष शुक्ल 8	आर्द्रा 14-48 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **10** पौष शुक्ल 15	चित्रा 25-12 अष्टमी **17** माघ कृष्णा 8	उषा 26-45 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **24** माघ कृष्णा 30	रेवती 18-09 **31** माघ शुक्ल 6
शनि SAT	रेवती 10-04 **4** पौष शुक्ल 9	पुनर्वसु 13-29 बैंक अवकाश **11** माघ कृष्णा 1	स्वाति 24-15 **18** माघ कृष्णा 9	श्रवण 28-34 बैंक अवकाश **25** माघ शुक्ल 1	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका– जनवरी

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	7.27	7.17	7.13	6.33
	16	7.29	7.17	7.16	6.37
सूर्यास्त	01	5.55	5.43	6.11	5.52
	16	6.05	5.56	6.20	5.59
नवकारसी	01	8.15	8.05	8.01	7.21
	16	8.17	8.05	8.04	7.25
पोरसी	01	10.04	9.54	9.58	9.23
	16	10.08	9.57	10.02	9.28

जैन पर्व

- 1 जनवरी — भ. विमलनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.6)
- 4 जनवरी — भ. शांतीनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.9)
- 6 जनवरी — भ. अजीतनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.11)
- 9 जनवरी — भ. अभिनन्दन केवल कल्याणक (पौष शु.14), आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 110वाँ जन्म-दिवस
- 10 जनवरी — भ. धर्मनाथ केवल कल्याणक (पौष शु.15)
- 14 जनवरी — उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. का 86वाँ जन्म-दिवस (माघ कृ.4)
- 16 जनवरी — भ.पद्मप्रभ च्यवन कल्याणक (माघ कृ.6)
- 21 जनवरी — भ. शीतलनाथ जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक (माघ कृ.12)
- 22 जनवरी — भ. ऋषभदेव निर्वाण कल्याणक (माघ कृ.13)
- 24 जनवरी — भ.श्रेयांसनाथ केवल कल्याणक (माघ कृ.30)
- 26 जनवरी — भ. वासुपूज्य केवल कल्याणक, आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 100वाँ दीक्षा-दिवस (माघ शु.2), दीक्षा शताब्दी वर्ष प्रारम्भ सामायिक दिवस
- 27 जनवरी — भ. विमलनाथ, भ. धर्मनाथ जन्म कल्याणक (माघ शु.3)
- 29 जनवरी — भ. विमलनाथ दीक्षा कल्याणक (माघ शु.4)

प्रार्थना/भजन

जीवन उन्नत करना चाहो...

जीवन उन्नत करना चाहो, तो सामायिक साधन कर लो।
आकुलता से बचना चाहो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। टेर ।।
तन–धन परिजन सब सपने हैं, नश्वर जग में नहीं अपने हैं।
अविनाशी सद्गुण पाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 1 ।।
चेतन निज घर को भूल रहा, पर घर माया में झूल रहा।
सद्चिद् आनंद को पाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 2 ।।
विषयों में निज गुण मत भूलो, अब काम क्रोध में मत झूलो।
समता के सर में नहाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 3 ।।
तन पुष्टि–हित व्यायाम चला, मन पोषण को शुभ ध्यान भला।
आध्यात्मिक बल पाना चाहो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 4 ।।
सब जग जीवों में बंधु भाव, अपनालो तज के भेदभाव।
सब जन के हित में सुख मानो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 5 ।।
निर्व्यसनी हो, प्रामाणिक हो, धोखा न किसी जन के संग हो।
संसार में पूजा पाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 6 ।।
साधक सामायिक–संघ बने, सब जन सुनीति के अंग बने।
नर लोक में स्वर्ग बसाना हो, तो..सामायिक साधन कर लो ।। 7 ।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पुण्यधरा जयपुर एवं जलगांव शहर में

जैन भागवती दीक्षा–महोत्सव

वि.सं. 2076 माघ शुक्ला चतुर्थी, बुधवार 29 जनवरी, 2020

संसार में दुःख के दो कारण हैं– मोह और अज्ञान। सामायिक मोह को घटाने और स्वाध्याय अज्ञान को दूर करने का अमोघ उपाय है– आचार्य हस्ती

II Guru Kripa Sa II

Manssa Motors

Multi Brand Two Wheeler Showroom

SALES I EXCHANGE I FINANCE

Address: #7/25, L.B.Road, Opp.to HDFC Bank, Thiruvanmiyur, Chennai-600 041
Ph:044-43592166
Mob:+91 78716 42000
Email: manssamotors@gmail.com

Address: No. 9/3, Venkata Krishna Road Opp.Mendaveli Bus Terminus R.A. Puram, Chennai- 6000 28
Ph:+91-44-4232 2166
Mob: +91-7871641000

Anopchand Pankaj Sandeep Baghmar

Baghmar Mansion 30 Elakandappan St Park town, Chennai-600003, M. 94444 67320, 98841 75110, 98841 22289

HONDA SUZUKI YAMAHA TVS BAJAJ Hero

मो.नं.9057222597, 9043927627, 9444296477

गुरु 'हीरा' मिल्या पुण्य जोगे, यो अवसर फिर कद आसी
'नेम' पकड़ले चरण गुरु का, तूं भव सागर तिर जासी

हार्दिक शुभकामनाएं सुपौत्र तनीष, जयेश व वैभव की वर्षगांठ पर

नेमीचंद जैन (पूर्व प्रधानाचार्य)
खमा देवी (पत्नी), शांतिलाल, सुनील कर्णावट (पुत्र)
तनीष, जयेश, वैभव (सुपौत्र) भोपालगढ़–चेन्नई

।। जय गुरु हीरा ।। ।। जय महावीर ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 — **फरवरी 2020 FEBRUARY** — **विक्रम संवत् 2076 माघ–फाल्गुन**

वार					
रवि SUN		भरणी 23-10 अष्टमी **2** माघ शुक्ल 8	आश्लेषा 19-42 **9** माघ शुक्ल 15	अनुराधा 28-53 अष्टमी **16** फाल्गुन कृष्णा 8	धनिष्ठा 13-42 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **23** फाल्गुन कृष्णा 30
सोम MON	पूर्णिमा के दिन जमींकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	कृतिका 24-51 **3** माघ शुक्ल 9	मघा 17-05 **10** फाल्गुन कृष्णा 1-2	ज्येष्ठा 29-13 **17** फाल्गुन कृष्णा 9	शतभिषा 16-20 **24** फाल्गुन शुक्ल 1
मंगल TUE	पुष्य नक्षत्र 07 फरवरी, शुक्रवार, रात्रि 12.00 बजे से 08 फरवरी, शनिवार रात्रि 10.04 बजे तक	रोहिणी 25-48 **4** माघ शुक्ल 10	पूफा 14-22 **11** फाल्गुन कृष्णा 3	मूल 30-05 **18** फाल्गुन कृष्णा 10	पूभा 19-09 **25** फाल्गुन शुक्ल 2
बुध WED	पंचक 22 फरवरी, शनिवार रात्रि 12.28 बजे से 27 फरवरी, गुरुवार रात्रि 01.07 बजे तक	मृगशिरा 25-58 **5** माघ शुक्ल 11	उफा 11-45 **12** फाल्गुन कृष्णा 4	पूषा 00-00 **19** फाल्गुन कृष्णा 11	उभा 22-07 **26** फाल्गुन शुक्ल 3
गुरु THU		आर्द्रा 25-20 **6** माघ शुक्ल 12	हस्त 09-24 **13** फाल्गुन कृष्णा 5	पूषा 07-27 **20** फाल्गुन कृष्णा 12	रेवती 25-07 **27** फाल्गुन शुक्ल 4
शुक्र FRI		पुनर्वसु 23-59 **7** माघ शुक्ल 13	चित्रा 07-27 30-00 **14** फाल्गुन कृष्णा 6	उषा 09-12 **21** महाशिवरात्री फाल्गुन कृष्णा 13	अश्विनी 28-02 **28** फाल्गुन शुक्ल 5
शनि SAT	अश्विनी 20-52 **1** माघ शुक्ल 7	पुष्य 22-04 बैंक अवकाश **8** पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी चतुर्दशी माघ शुक्ल 14	विशाखा 29-08 **15** फाल्गुन कृष्णा 7	श्रवण 11-18 बैंक अवकाश **22** चतुर्दशी फाल्गुन कृष्णा 14	भरणी 30-41 **29** फाल्गुन शुक्ल 5

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	स्वकार्य [illegible]
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका– फरवरी

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	7.25	7.14	7.15	6.37
	16	7.16	7.03	7.09	6.33
सूर्यास्त	01	6.22	6.08	6.30	6.08
	16	6.24	6.18	6.37	6.13
नवकारसी	01	8.13	8.02	8.03	7.25
	16	8.04	7.51	7.57	7.21
पोरसी	01	10.10	9.58	10.04	9.30
	16	10.03	9.52	10.01	9.28

जैन पर्व

02 फरवरी	भ. अजितनाथ जन्म कल्याणक(माघ शु.8)
03 फरवरी	भ.अजितनाथ दीक्षा कल्याणक(माघ शु.9)
06 फरवरी	भ. अभिनन्दन दीक्षा कल्याणक(माघ शु.12)
07 फरवरी	भ. धर्मनाथ दीक्षा कल्याणक(माघ शु.13)
14 फरवरी	भ. सुपार्श्वनाथ केवल कल्याणक(फाल्गुन कृ.6)
15 फरवरी	भ. सुपार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक, भ. चन्द्रप्रभ केवल कल्याणक(फाल्गुन कृ.7)
17 फरवरी	भ. सुविधिनाथ च्यवन कल्याणक(फाल्गुन कृ.9)
19 फरवरी	भ. ऋषभदेव केवल कल्याणक(फाल्गुन कृ.11)
20 फरवरी	भ. श्रेयांसनाथ जन्म कल्याणक, भ. मुनिसुव्रत केवल कल्याणक (फाल्गुन कृ.12)
21 फरवरी	भ. श्रेयांसनाथ दीक्षा कल्याणक(फाल्गुन कृ.13)
22 फरवरी	भ. वासुपूज्य जन्म कल्याणक (फाल्गुन कृ.14)
23 फरवरी	भ. वासुपूज्य दीक्षा कल्याणक(फाल्गुन कृ.30)
25 फरवरी	भ. अरनाथ च्यवन कल्याणक(फाल्गुन शु.2)
27 फरवरी	भ. मल्लिनाथ च्यवन कल्याणक(फाल्गुन शु.4)

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रत्नसंघ एप्प में नये फीचर्स :

ज्ञान

धोवन पानी निर्दोष जिन्दगानी (सम्बंधित प्रश्न तथा बनाने की विधि)
उपकरण (सामयिक, संवर, पौषध आदि श्रावकों के उपयोगी उपकरण की जानकारी)

गुरु हीरा का है यह आह्वान।
बच्चें हो संस्कारित गुणवान्।।

प्रार्थना/भजन

जय अरिहंताणं

जय अरिहंताणं, स्वामी जय अरिहंताणं।
भाव भक्तिसे नित्य प्रति, प्रणमूँ सिद्धाणं ।। जय...।।टेर।।
दर्शन ज्ञान अनन्ता, शक्ति के धारी, स्वामी-2
यथा ख्यात चारित्र है, कर्म शत्रुहारी ।। जय...।1।।
है सर्वज्ञ, सर्वदर्शी बल, सुख अनन्त पाये, स्वामी-2
अगुरू लघु अमूरत, अव्यय कहलाये ।। जय...।2।।
नमो आयरियाणं, छत्तीस गुण पालक, स्वामी-2
जैन धर्म के नेता, संघ के संचालक ।। जय...।। 3।।
नमो उवज्झायाणं, चरण करण ज्ञाता, स्वामी-2
अंग उपांग पढ़ाते, ज्ञान दान दाता ।। जय...।। 4।।
नमो लोए सव्वसाहूणं, ममता मदहारी, स्वामी-2
सत्य अहिंसा अस्तेय, ब्रह्मचर्य धारी ।।जय...।। 5।।
'चौथमल्ल' कहे शुद्ध मन, जो नर ध्यान धरे, स्वामी-2
पावन पंच परमेष्ठी, मंगलाचार करे ।। जय...।। 6।।

दुःख का मूल कर्म और कर्म के बीज राग-द्वेष हैं। दुःख मिटाने के लिए राग-द्वेष मिटाना आवश्यक है, जो ज्ञानपूर्वक अभ्यास से ही हो सकता है।- आचार्य हस्ती

JEWELS OF JAIPUR
Call: +91-97727 70555 Email: sales@jewelsofjaipur.com
f/jewelsofjaipur /jewelsofjaipur /jewelsofjaipur
www.jewelsofjaipur.com
By appointment only

एप्प से संबधित शंका :

मुझे रत्नसंघीय परिवारों का सूचना संग्रहण कार्यक्रम के अंतर्गत फार्म भरने या एप्प पर प्रोफाइल पूरी करने की क्यों आवश्यकता हैं ? हमारा परिवार तो पीढ़ीयों से संघ से जुड़ा हुए है।

समाधान

समान आचार व विचार के व्यक्ति तो अनेकों होते हैं, पर उनमें से गहरी आस्था उन्हीं की प्रतिबिंबित होती हैं, जो चिन्हित कर दिए गये हो। यही आपका चिन्हिकरण हैं। पीढ़ियों से जुड़े परिवारों को सम्पूर्ण रत्न संघ पहचाने, संघ के पास प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी भी हो इस हेतु भी फॉर्म भरे या एप्प पर प्रोफाइल पूरी करें।

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | **मार्च 2020 MARCH** | **विक्रम संवत् 2076-77 फाल्गुन-चैत्र**

वार					
रवि SUN	कृतिका 00-00 **1** फाल्गुन शुक्ल 6	मघा 28-09 चतुर्दशी **8** फाल्गुन शुक्ल 14	अनुराधा 11-22 **15** चैत्र कृष्णा 7	शतभिषा 22-26 **22** चैत्र कृष्णा 13	कृतिका 15-16 **29** चैत्र शुक्ल 5
सोम MON	कृतिका 08-54 **2** फाल्गुन शुक्ल 7	पूफा 25-08 होलिका दहन **9** पक्खी फाल्गुन शुक्ल 15	ज्येष्ठा 11-11 अष्टमी **16** आचार्य प्रवर पूज्य श्री हीराचंद्र जी म.सा. का 82वाँ जन्म दिवस चैत्र कृष्णा 8	पूभा 25-20 चतुर्दशी **23** पक्खी चैत्र कृष्णा 14	रोहिणी 17-17 **30** चैत्र शुक्ल 6
मंगल TUE	रोहिणी 10-31 अष्टमी **3** फाल्गुन शुक्ल 8	उफा 22-00 धुलण्डी **10** चैत्र कृष्णा 1	मूल 11-45 **17** चैत्र कृष्णा 9	उभा 28-18 **24** चैत्र कृष्णा 30	मृगशिरा 18-43 **31** चैत्र शुक्ल 7
बुध WED	मृगशिरा 11-22 **4** फाल्गुन शुक्ल 9	हस्त 18-59 **11** चैत्र कृष्णा 2	पूषा 13-00 **18** चैत्र कृष्णा 10	रेवती 00-00 चेटीचण्ड **25** चैत्र शुक्ल 1	पुष्य नक्षत्र 6 मार्च, शुक्रवार, प्रातः 10.39 बजे से 7 मार्च, शनिवार, प्रातः 09.04 बजे तक
गुरु THU	आर्द्रा 11-25 **5** फाल्गुन शुक्ल 10	चित्रा 16-15 **12** चैत्र कृष्णा 3	उषा 14-49 **19** चैत्र कृष्णा 11	रेवती 07-15 **26** चैत्र शुक्ल 2	पंचक 21 मार्च, शनिवार प्रातः 06.19 बजे से 26 मार्च, गुरुवार सांय 07.15 बजे तक
शुक्र FRI	पुनर्वसु 10-38 **6** फाल्गुन शुक्ल 11	स्वाति 13-58 **13** चैत्र कृष्णा 4-5	श्रवण 17-04 **20** चैत्र कृष्णा 12	अश्विनी 10-08 **27** चैत्र शुक्ल 3	
शनि SAT	पुष्य 09-04 30-51 **7** फाल्गुन शुक्ल 12-13	विशाखा 12-19 बैंक अवकाश **14** चैत्र कृष्णा 6	धनिष्ठा 19-39 **21** चैत्र कृष्णा 12	भरणी 12-51 बैंक अवकाश **28** चैत्र शुक्ल 4	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामायिक प्रार्थना	दान	पच्चक्खाण आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका- मार्च

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	7.03	6.53	7.00	6.27
	16	6.48	6.37	6.48	6.18
सूर्यास्त	01	6.37	6.26	6.43	6.16
	16	6.45	6.35	6.47	6.18
नवकारसी	01	7.51	7.41	7.48	7.15
	16	7.36	7.25	7.36	7.06
पोरसी	01	9.57	9.47	9.56	9.25
	16	9.48	9.37	9.48	9.18

जैन पर्व

3 मार्च	भ. संभवनाथ च्यवन कल्याणक (फाल्गुन शु.8)
7 मार्च	भ. मल्लिनाथ निर्वाण कल्याणक (फाल्गुन शु.12)
9 मार्च	फाल्गुनी चौमासी (चातुर्मासिक पर्व)
13 मार्च	भ. पार्श्वनाथ च्यवन एवं केवल कल्याणक (चैत्र कृ.4) भ. चन्द्रप्रभ च्यवन कल्याणक, (चैत्र कृ.5)
16 मार्च	भ. ऋषभदेव जन्म एवं दीक्षा कल्याणक (चैत्र कृ.8) आचार्य प्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 82वाँ जन्म-दिवस
27 मार्च	भ. कुंथुनाथ केवल कल्याणक (चैत्र शु.3)
29 मार्च	भ. अजितनाथ, भ. संभवनाथ, भ. अनन्तनाथ निर्वाण कल्याणक (चैत्र शु.5)
31 मार्च	आयम्बिल ओली प्रारम्भ

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

रत्नसंघ एप्प में नये फीचर्स :
सचित अचित
सुपात्र दान (चित्र के साथ ज्ञान)
करणीय - अकरणीय (जैन जीवन जीने की कला, पापों से कैसे बचा जाए, जवीन में कैसे आगे बढ़ा जाए)

श्रुत में मन की विषमता गलती है,
अतः श्रुताराधन को श्रुत सामायिक कहा है।

प्रार्थना/भजन

हस्ती पट्टधर आचार्य प्रवर हीरा गुरुवर का क्या कहना

हस्ती पट्टधर आचार्य प्रवर हीरा गुरुवर का क्या कहना।
मोहनी के लाल, मोती के बाल, हीरा गुरुवर का क्या कहना
प्रवचन की शैली क्या कहना, मधुरी वाणी सुनते जाना
हस्ती पट्टधर..........
1. जो सूरज सम तेजस्वी है, श्रमणों में श्रेष्ठ यशस्वी है।
जो ज्ञान क्रिया वर्चस्वी है, ऐसे गुरुवर का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........
2. हो व्यसन मुक्तये देश मेरा, ऐसी करुणा का दर्द भरा।
जहां कथनी-करणी एक सदा, करुणा सागर का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........
3. कार्तिक सुदी षष्ठी दिन प्यारा, गुरु हस्ती से संयम धारा।
जिनका अनुशासित जीवन है, ऐसे साधक का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........
4.गज गुरु ने हीरा परख लिया, घड़ रत्न संघ को सौंप दिया।
सुधर्मा पाट को चमकाया, ऐसे शासक का क्या कहना।।
हस्ती पट्टधर..........
5. है अनन्त पुण्य का प्रबल उदय, अष्टम पट्टधर का योग मिला।
श्रद्धा और आत्म समर्पण से, मुक्तिमंजिल को पा जाना।।
हस्ती पट्टधर........

ज्ञान के साथ जो तपस्या है वह ऐसी बड़ी-बड़ी शक्तियों को प्रकट कर देती है, जिससे मानव का मन हिल जाता है।- आचार्य हस्ती

जय गुरु हीरा जय गुरु हस्ती जय गुरु मान

प्रेमराज प्रसन्नराज जैन
मेड़ता सिटी-जिला नागौर (राज.)
हेमराज श्रीमाल-9414813565, प्रदीप श्रीमाल-9461865373

पुनम बिन्दी
अहमदाबाद- (गुजरात) प्रसन्नराज श्रीमाल-9429129021
अभिषेक श्रीमाल-9408739437

पराग बिन्दी
अहमदाबाद- (गुजरात) रणजीत श्रीमाल-9825189801

Faulal Lodha 98292 22921 | Girish Lodha 98280-93399 | Pankaj Lodha 93524-52001 | Office: 02932-230921

Mangilal Munnalal Lodha
Hashi Process
Mfg. Of Lining Cloth 2x2 Rubia &
Specialist : Saree Fall
35, Anand Nagar,
Near Saraswati School, Pali (Raj.)

।। जय गुरु हीरा ।।

।। जय महावीर ।।
।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।।

।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | अप्रेल 2020 APRIL | विक्रम संवत् 2077 चैत्र–वैशाख

रत्न संघ मोबाइल एप्प के द्वारा आप अपनी सामायिक, प्रतिक्रमण आदि पाटीयो को सीखने के साथ ही उच्चारण शुद्ध कर सकते है।

रवि SUN	पूर्णिमा के दिन ज़मीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	मघा 14-56 **5** चैत्र शुक्ल 12	ज्येष्ठा 19-12 **12** वैशाख कृष्णा 5	पूभा 00-00 **19** वैशाख कृष्णा 12	रोहिणी 22-55 **26** आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 91वाँ आचार्य पदारोहण दिवस स्वाध्याय दिवस वैशाख शुक्ल 3
सोम MON	गुरु पुष्य नक्षत्र 02 अप्रेल, गुरुवार सांयः 7.28 बजे से 03 अप्रेल, शुक्रवार सांयः 6.40 बजे तक 29 अप्रेल, बुधवार रात्रि 02.02 से 30 अप्रेल, गुरुवार रात्रि 01.52 बजे तक	पूफा 12-15 भ.महावीर ज.कल्याणक **6** भगवान महावीर जन्म कल्याणक चैत्र शुक्ल 13	मूल 19-01 **13** वैशाख कृष्णा 6	पूभा 07-22 **20** वैशाख कृष्णा 13	मृगशिरा 24-28 **27** वैशाख शुक्ल 4
मंगल TUE	पंचक 17 अप्रेल, शुक्रवार दोपहरः 12.17 बजे से 22 मई, बुधवार दोपहरः 01.17 बजे तक	उफा 09-14 30-06 चतुर्दशी **7** पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी चैत्र शुक्ल 14	पूषा 19-40 डा.अम्बेडकर जयंती **14** वैशाख कृष्णा 7	उभा 10-22 चतुर्दशी **21** वैशाख कृष्णा 14	आर्द्रा 25-32 **28** वैशाख शुक्ल 5
बुध WED	आर्द्रा 19-28 अष्टमी **1** बैंक वार्षिक लेखाबंदी चैत्र शुक्ल 8	चित्रा 27-02 **8** चैत्र शुक्ल15-वै.कृ 1	उषा 21-03 अष्टमी **15** वैशाख कृष्णा 8	रेवती 13-17 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **22** वैशाख कृष्णा 30	पुनर्वसु 26-01 **29** वैशाख शुक्ल 6
गुरु THU	पुनर्वसु 19-27 रामनवमी **2** चैत्र शुक्ल 9	स्वाति 24-14 **9** वैशाख कृष्णा 2	श्रवण 23-05 **16** वैशाख कृष्णा 9	अश्विनी 16-04 **23** वैशाख कृष्णा 30	पुष्य 25-52 **30** वैशाख शुक्ल 7
शुक्र FRI	पुष्य 18-40 **3** चैत्र शुक्ल 10	विशाखा 21-54 गुड फ्राइडे **10** वैशाख कृष्णा 3	धनिष्ठा 25-35 **17** वैशाख कृष्णा 10	भरणी 18-38 **24** वैशाख शुक्ल 1	
शनि SAT	आश्लेषा 17-07 **4** चैत्र शुक्ल 11	अनुराधा 20-10 बैंक अवकाश **11** वैशाख कृष्णा 4	शतभिषा 28-24 **18** वैशाख कृष्णा 11	कृतिका 20-57 बैंक अवकाश **25** परशुराम जयंती वैशाख शुक्ल 2	

दिनांक	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका– अप्रेल

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.31	6.18	6.35	6.07
	16	6.16	6.04	6.23	5.57
सूर्यास्त	01	6.53	6.43	6.51	6.19
	16	7.00	6.51	6.55	6.20
नवकारसी	01	7.19	7.06	7.23	6.55
	16	7.04	6.52	7.11	6.45
पोरसी	01	9.37	9.25	9.39	9.10
	16	9.27	9.16	9.31	9.03

जैन पर्व

02 अप्रेल भ. सुमतिनाथ निर्वाण कल्याणक(चैत्र शु.9)
04 अप्रेल भ. सुमतिनाथ केवल कल्याणक(चैत्र शु.11)
06 अप्रेल भ. महावीर जन्म कल्याणक(चैत्र शु.13)
08 अप्रेल भ. पद्मप्रभ केवल कल्याणक (चैत्र शु.15), कुंथुनाथ निर्वाण कल्याणक (वैशाख कृ.1), आयम्बिल ओली पूर्ण
09 अप्रेल भ. शीतलनाथ निर्वाण कल्याणक(वैशाख कृ.2)
12 अप्रेल भ. कुंथुनाथ दीक्षा कल्याणक(वैशाख कृ.5)
13 अप्रेल भ. शीतलनाथ च्यवन कल्याणक(वैशाख कृ.6)
17 अप्रेल भ.नमिनाथ निर्वाण कल्याणक(वैशाख कृ.10)
20 अप्रेल भ.अनन्तनाथ जन्म कल्याणक(वैशाख कृ.13)
21 अप्रेल भ. कुंथुनाथ जन्म कल्याणक, भ. अनन्तनाथ दीक्षा कल्याणक, केवल कल्याणक (वैशाख कृ.14)
26 अप्रेल अक्षय तृतीया, आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 91वाँ आचार्य पदारोहण दिवस-स्वाध्याय दिवस, आचार्यप्रवर पूज्य श्री कजोड़ीमल जी म.सा. की 141वीं पुण्य-तिथि, (वैशाख शु. 3)
27 अप्रेल भ. अभिनन्दन च्यवन कल्याणक(वैशाख शु.4)
30 अप्रेल भ. धर्मनाथ च्यवन कल्याणक(वैशाख शु.7)

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

स्वाध्याय के लिये प्रभु महावीर ने कहा

1. श्रुत ज्ञान का लाभ होगा इसलिए पढ़ो
2. चित्त की चंचलता दूर होकर एकाग्रता प्राप्त होगी इसलिए पढ़ो
3. आत्मा को धर्म में स्थिर रख सकोगे इसलिए पढ़ो
4. स्वयं स्थिर होने पर दूसरों को स्थिर कर सकोगे, इसलिए पढ़ो।

प्रार्थना/भजन

मुनिवर मान महान हे

मुनिवर ''मान''महान है, जिन शासन की शान हैं,
त्यागी और वैरागी उत्तम, साधु की पहचान हैं ।। टेर।।
रत्नवंश के अनुपम मोती, उपाध्याय पद पाया हो।
नाम ''मान''पर ज्ञान क्रिया का, मान तनिक नहीं आया हो।
जीवन विनय प्रधान है, गुण रत्नों की खान हो ।।1।। त्यागी.....
चौथा आरा याद करे, जो वाणी अमृत पीले हो।
गहरा आगम ज्ञान है, साधक प्रज्ञावान हैं ।।2।। त्यागी.....
तप संयम का तेज झलकता, कर में रहती माला हो।
तारों में चन्दा सा देखो, है व्यक्तित्व निराला हो।
चेहरे पर मुस्कान है, शान्त, सौम्य, गुणवान हैं ।।3।। त्यागी.....
सन्तों की सेवा में, निश-दिन, आप रहे हैं आगे हो।
शिथिलाचार प्रपंचों से, दूर हमेशा भागे हो।
कथनी करनी समान है, करता ''गौतम'' गान है ।।4।। त्यागी.....

भूमि पर रहने वाला मानव पदार्थों पर अधिकार जमाये बिना रहना सीखे तो वैर एवं संघर्ष का नाम न रहे।- **आचार्य हस्ती**

।। जय गुरू हस्ती ।।   ।। जय गुरू हीरा मान ।।

Jewelroof

From the house of
R S BAFNA JEWELLERS
1697/1A, 1st Floor, Nayantara-2, Bhavani Peth, Jalgaon - 425001 (MS) INDIA.
T : +91 257 2223337 / 8 / 9   M : +91 9423883337 / 8 / 9
W : www.bafnajewellers.com   E : rsbafnajewellers@gmail.com
Shop online @ www.jewelroof.com
Be Vegetarian - Be Happy   संयम ही जीवन है – जिनवाणी

स्व. श्री हस्तीमलजी बोहरा

श्री महावीराय नमः
श्री कुशलरत्नगजेन्द्रहीरामानगणिभ्यो नमः
With Best Compliment From -
HASTIMAL BOHRA & SONS
22, Ramanan Road, Sowcarpet,
Chennai - 600079
श्रीमती कमलादेवी बोहरा
महेन्द्र, बुधमल, जितेन्द्र बोहरा
रतकुड़िया-पीपाड़ सिटी-चेन्नई
मो. 9444072714/9423928858/9444871712
आचरण ही भक्ति का सही स्वरूप है -आचार्य हस्ती

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 — **मई 2020 MAY** — **विक्रम संवत् 2077 वैशाख–ज्येष्ठ**

आप अब अपनी सामायिक, व्रत आदि की पूरी जानकारी अपनी डिजिटल डायरी / संघ एप्प में रख सकते है।

रवि SUN	उफा 27-00 **31** ग्रीष्मकालीन शिविर वैशाख शुक्ल 9	पूफा 21-42 **3** वैशाख शुक्ल 10	मूल 28-12 **10** ज्येष्ठ कृष्णा 3	पूभा 13-57 **17** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ कृष्णा 10	मृगशिरा 00-00 **24** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 2
सोम MON	गुरु पुष्य नक्षत्र 27 मई, बुधवार प्रातः 07.28 बजे से 28 मई, गुरुवार प्रातः 07.26 बजे तक	उफा 19-18 **4** वैशाख शुक्ल 11-12	पूषा 28-09 **11** आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 30वाँ आचार्य पद दिवस ज्येष्ठ कृष्णा 4-5	उभा 16-57 **18** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ कृष्णा 11	मृगशिरा 06-09 **25** ग्रीष्मकालीन शिविर महाराणा प्रताप जं. ज्येष्ठ शुक्ल 3
मंगल TUE	पंचक 14 मई, गुरुवार सांय 07.21 बजे से 19 मई, मंगलवार, सांय 07.52 बजे तक	हस्त 16-38 **5** उपाध्यायप्रवर पं.रत्न मानचंद्रजी म.सा. का 58वाँ दीक्षा दिवस वैशाख शुक्ल 13	उषा 28-53 **12** ज्येष्ठ कृष्णा 6	रेवती 19-52 **19** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ कृष्णा 12	आर्द्रा 07-01 **26** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 4
बुध WED	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP	चित्रा 13-50 चतुर्दशी **6** वैशाख शुक्ल 14	श्रवण 00-00 **13** ज्येष्ठ कृष्णा 6	अश्विनी 22-36 **20** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ कृष्णा 13	पुनर्वसु 07-27 **27** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 5
गुरु THU	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	स्वाति 11-06 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **7** बुद्ध पूर्णिमा वैशाख शुक्ल 15	श्रवण 06-22 **14** ज्येष्ठ कृष्णा 7	भरणी 25-03 चतुर्दशी **21** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ कृष्णा 14	पुष्य 07-26 **28** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 6
शुक्र FRI	आश्लेषा 25-04 अष्टमी **1** आचार्य भगवन पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 29वाँ स्मृति दिवस सामूहिक प्रार्थना दिवस वैशाख शुक्ल 8	विशाखा 08-37 **8** ज्येष्ठ कृष्णा 1	धनिष्ठा 08-29 अष्टमी **15** ज्येष्ठ कृष्णा 8	कृतिका 27-08 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **22** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ कृष्णा 30	आश्लेषा 06-57 **29** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 7
शनि SAT	मघा 23-39 **2** वैशाख शुक्ल 9	अनुराधा 06-32 / 29-01 बैंक अवकाश **9** ज्येष्ठ कृष्णा 2	शतभिषा 11-04 **16** ज्येष्ठ कृष्णा 9	रोहिणी 28-51 बैंक अवकाश **23** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 1	मघा 06-02 / 28-52 **30** ग्रीष्मकालीन शिविर ज्येष्ठ शुक्ल 8

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका – मई

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.03	5.50	6.13	5.50
	16	5.53	5.40	6.06	5.45
सूर्यास्त	01	7.07	6.59	6.59	6.23
	16	7.14	7.07	7.04	6.26
नवकारसी	01	6.51	6.38	7.01	6.38
	16	6.41	6.28	6.54	6.33
पोरसी	01	9.19	9.08	9.25	8.59
	16	9.14	9.02	9.21	8.56

जैन पर्व

- 01 मई भगवान अभिनन्दन निर्वाण कल्याणक, भ. सुमतिनाथ जन्म कल्याणक, आचार्य भ. पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 29वाँ स्मृति दिवस, सामुहिक प्रार्थना दिवस (वैशाख शु.8)
- 02 मई भगवान सुमतिनाथ दीक्षा कल्याणक, उपाध्यायप्रवर पं.रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. का 29वाँ उपाध्याय पद-दिवस(वै.शु.9)
- 03 मई भगवान महावीर केवल कल्याणक(वैशाख शु.10)
- 04 मई संघ स्थापना दिवस (वैशाख शु.11),भ. विमलनाथ च्यवन कल्याणक(वैशाख शु.12)
- 05 मई भगवान अजितनाथ च्यवन कल्याणक, उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. का 58वाँ दीक्षा-दिवस(वै.शु.13)
- 11 मई आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 30वाँ आचार्य पद दिवस(ज्येष्ठ कृ.5)
- 12 मई भगवान श्रेयांसनाथ च्यवन कल्याणक, मूलपुरुष श्री कुशलचन्द्र जी म.सा. की 237वीं पुण्य-तिथि (ज्येष्ठ कृ.6)
- 15 मई भगवान मुनिसुव्रत जन्म कल्याणक(ज्येष्ठ कृ.8)
- 16 मई भगवान मुनिसुव्रत निर्वाण कल्याणक(ज्येष्ठ कृ.9)
- 20 मई भगवान शांतिनाथ जन्म कल्याणक, निर्वाण कल्याणक (ज्येष्ठ कृ.13)
- 21 मई भ.शांतिनाथ दीक्षा कल्याणक(ज्येष्ठ कृ.14)
- 27 मई भ. धर्मनाथ निर्वाण कल्याणक(ज्येष्ठ शु.5)
- 31 मई भ. वासुपूज्य च्यवन कल्याणक (ज्येष्ठ शु.9)

प्रार्थना / भजन

गुरु हस्ती दीनदयाला

(तर्ज : बड़ी देर भई नन्दलाला.......)

गुरु हस्ती दीनदयालाए जीवन था भव्य निराला,
दिव्य साधना से जिनके, अन्तर में भया उजाला रे ।। टेर ।।

कभी न उलझे मोह-माया में, भौतिकता से दूर रहे,
लघुवय में ही सन्त बने, और तप-संयम में शूर रहे,
बीस वर्ष की अल्पायु में, पद आचार्य सम्भाला रे ।। 1 ।।

कोई न खाली हाथ लौटता, द्वार आपके जो आता,
सामायिक-स्वाध्याय नियम के, कुछ मोती वह पा जाता,
कई दु:खी व्यसनी थे उनको, व्यसन मुक्त कर डाला रे ।। 2 ।।

कहीं मिटाई फूट कहीं पर, जीवों के बलिदान रुके,
कहीं किया निर्भय लोगों को, कहीं विरोधी आन झुके,
कहीं जुड़ी विद्वत् परिषद् तो, कहीं धार्मिक शाला रे ।। 3 ।।

जिनशासन की रक्षा के हित, स्वाध्यायी तैयार किये,
फिर से जागी नई चेतना, कई ऐसे उपकार किये,
पल-पल याद करेगी जनता, कैसा जादू डाला रे ।। 4 ।।

अन्त समय निमाज में जाकर, अपना वचन निभाया था,
तेला कर संथारे का इक, नव इतिहास बनाया था,
जैनधर्म की शान बढ़ी, मुनि 'गौतम' जपता माला रे ।। 5 ।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षण शिविर :

युवाओं में नैतिकता एवं संस्कारों का वपन करने के लिए प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी इन शिविरों का आयोजन 17 से 31 मई को होगा। 5 वर्ष से बड़े सभी युवक/युवती इन शिविरों के माध्यम से अपना व्यक्तित्व और अध्यात्म का विकास कर सकते हैं।

केन्द्रीय कार्यालय में सम्पर्क :
फोन : 0291 2636763
Email : yuvakparishad@gmail.com

यदि जीवन बनाना है, जीवन का निर्माण करना है तो प्रत्येक को स्वाध्याय करना पड़ेगा। स्वाध्याय के बिना ज्ञान की ज्योति नहीं जगेगी। – आचार्य हस्ती

NATURAL GRANITES

NAVINDRA K MEHTA
SIDHIT MEHTA

Exclusive Show Room
FOR GRANITE SLABS
MANUFACTURERS, EXPORTERS

C-1/4, Rajouri Garden
Main Ring Road, New Delhi-110027
Ph. : 25116580, 25931777
Fax : 011-25454390, Mobile : 9811013446
Email : natural.delhi27@gmail.com
natural.delhi@yahoo.com

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | **जून 2020 JUNE** | विक्रम संवत् 2077 ज्येष्ठ–आषाढ़

अब आप कर सकते है गृहस्थ धर्म का पालन दान देकर। संघ एप्प पर आप दे सकते है ऑनलाइन डोनेशन।

वार					
रवि SUN		मूल 14-10 **7** आषाढ़ कृष्णा 2	उभा 24-21 **14** आषाढ़ कृष्णा 9	मृगशिरा 13-00 **21** आषाढ़ कृष्णा 30	उफा 08-45 अष्टमी **28** आषाढ़ शुक्ल 8
सोम MON	हस्त 25-02 **1** ज्येष्ठ शुक्ल 10	पूषा 13-44 **8** आषाढ़ कृष्णा 3	रेवती 27-16 **15** आषाढ़ कृष्णा 10	आर्द्रा 13-30 **22** आषाढ़ शुक्ल 1	हस्त 07-13 29-38 **29** आषाढ़ शुक्ल 9
मंगल TUE	चित्रा 22-53 **2** ज्येष्ठ शुक्ल 11	उषा 13-59 **9** आषाढ़ कृष्णा 4	अश्विनी 00-00 **16** आषाढ़ कृष्णा 11	पुनर्वसु 13-32 **23** आषाढ़ शुक्ल 2	स्वाति 28-03 **30** आषाढ़ शुक्ल 10
बुध WED	स्वाति 20-42 **3** ज्येष्ठ शुक्ल 12	श्रवण 14-56 **10** आषाढ़ कृष्णा 5	अश्विनी 06-03 **17** आषाढ़ कृष्णा 11	पुष्य 13-09 **24** आषाढ़ शुक्ल 3	पुष्य नक्षत्र 23 जून, मंगलवार दोपहर 01:33 बजे से 24 जून, बुधवार दोपहर 01.09 बजे तक
गुरु THU	विशाखा 18-36 चतुर्दशी **4** ज्येष्ठ शुक्ल 13-14	धनिष्ठा 16-34 **11** आषाढ़ कृष्णा 6	भरणी 08-30 **18** आषाढ़ कृष्णा 12	आश्लेषा 12-26 **25** आषाढ़ शुक्ल 4	पंचक 10 जून, बुधवार रात्रि 03.41 बजे से 15 जून, सोमवार रात्रि 03.16 बजे तक
शुक्र FRI	अनुराधा 16-42 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **5** ज्येष्ठ शुक्ल 15	शतभिषा 18-47 **12** आषाढ़ कृष्णा 7	कृतिका 10-30 **19** आषाढ़ कृष्णा 13	मघा 11-25 **26** आषाढ़ शुक्ल 5-6	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।
शनि SAT	ज्येष्ठा 15-11 **6** आषाढ़ कृष्णा 1	पूभा 21-27 बैंक अवकाश **13** अष्टमी आषाढ़ कृष्णा 8	रोहिणी 12-01 चतुर्दशी **20** पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी आषाढ़ कृष्णा 14	पूफा 10-10 बैंक अवकाश **27** आषाढ़ शुक्ल 7	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	पच्चक्खाण आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका– जून

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	5.47	5.33	6.02	5.43
	16	5.48	5.33	6.03	5.44
सूर्यास्त	01	7.23	7.15	7.10	6.30
	16	7.29	7.22	7.15	6.35
नवकारसी	01	6.35	6.21	6.50	6.31
	16	6.36	6.21	6.51	6.32
पोरसी	01	9.11	8.59	9.19	8.55
	16	9.14	9.01	9.21	8.57

जैन पर्व

03 जून	भ. सुपार्श्वनाथ जन्म कल्याणक, भ.मुनिसुव्रत दीक्षा कल्याणक (ज्येष्ठ शु.12)
04 जून	भ. सुपार्श्वनाथ दीक्षा कल्याणक (ज्येष्ठ शु.13), क्रियोद्धारक आचार्य प्रवर पूज्य श्री रतनचन्द जी म. सा. की 175वीं पुण्य तिथि (ज्येष्ठ शु.14)
07 जून	224वाँ क्रियोद्धारक दिवस(आषाढ़ कृ.2)
09 जून	भ. ऋषभदेव च्यवन कल्याणक(आषाढ़ कृ.4)
12 जून	भ. विमलनाथ निर्वाण कल्याणक(आषाढ़ कृ.7)
21 जून	21 जून आर्द्रा नक्षत्र प्रारम्भ (गाज बीज होने पर अस्वाध्याय नहीं रहेगी।) सूर्यग्रहण
26 जून	भ. महावीर च्यवन कल्याणक(आषाढ़ शु.6)
28 जून	भ. अरिष्टनेमि निर्वाण कल्याणक(आषाढ़ शु.8)

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

व्यक्ति अशान्ति को मिटाना चाहता है, पर अशान्ति तब तक नहीं मिटती जब तक विकल्प नहीं मिटते क्योंकि अशांति और विकल्प साथ-साथ जन्म लेते है।

प्रार्थना/भजन

ॐ शान्ति शान्ति

ॐ शान्ति शान्ति शान्ति सब मिल शान्ति कहो- 2 ।। टेर।।
विश्वसेन अचला के नंदन, सुमिरण है सब दुः,ख निकन्दन।
अहो रात्रि वन्दन हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।। 1।।
भीतर शान्ति बाहर शान्ति, तुझमें शान्ति मुझमें शान्ति।
सबमें शान्ति बसाओ, सब मिल शान्ति कहो-2 ।। 2।।
विषय कषाय को दूर निवारो, काम क्रोध से करो किनारो।
शान्ति साधना यों हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।। 3।।
शान्ति नाम जो जपते भाई, मन विशुद्धि हिय धीरज लाई।
अतुल शान्ति उन्हें हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।। 4।।
प्रातःसमय जो धर्म स्थान में, शान्ति पाठ करते मृदु स्वर में।
उनको दुःख नहीं हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।। 5।।
शान्ति प्रभु समसमदर्शी हो, करें विश्वहित जो शक्ति हो।
'गजमुनि' सदा विजय हो, सब मिल शान्ति कहो-2 ।।6।।

साधक जब ज्ञान का प्रकाश पा लेता है तब वह भौतिकता के सारे लुभावने आकर्षणों से दूर हट जाता है।- **आचार्य हस्ती**

जैन जगत के दिव्य सितारे, हस्ती–हीरा–मान हमारे

हार्दिक शुभकामनाएँ

ऐश्वर्या एग्री प्रोडक्ट्स, जलगाँव

Exporter of Pulses, Spices, Sesame Seeds, Raisins etc.

सोहनलाल बोथरा महावीर बोथरा मंथन बोथरा

अनिल बोथराः राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद

जे आयरिय–उवज्झायाणं, सुस्सूसा वयणंकरा।
तेसिं सिक्खा पवड्ढंति, जलसित्ता इव पायवा ॥

-दशवैकालिक 9/2/12

जो अपने आचार्यों एवं उपाध्यायों की सुश्रूषा-सेवा तथा उनकी आज्ञाओं का पालन करते हैं, उसकी विद्याएँ वैसे ही बढ़ती है, जैसे कि जल से सींचे जाने पर वृक्ष।

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | **जुलाई 2020 JULY** | विक्रम संवत् 2077 आषाढ़–श्रावण

अपने रत्नसंघ बंधुओं के जन्मदिन और वर्षगाँठ की याद दिला देता है आपको, रत्नसंघ एप्प।

वार						
रवि SUN	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।		पूषा 23-01 **5** आषाढ़ शुक्ल 15	उभा 08-17 **12** श्रावण कृष्णा 7	आर्द्रा 21-39 चतुर्दशी **19** पक्खी श्रावण कृष्णा 14	हस्त 12-36 **26** श्रावण शुक्ल 6
सोम MON	पुष्य नक्षत्र 20 जुलाई, सोमवार रात्रि 09.21 बजे से 21 जुलाई, मंगलवार रात्रि 08.29 बजे तक		उभा 23-11 **6** श्रावण कृष्णा 1	रेवती 11-13 अष्टमी **13** श्रावण कृष्णा 8	पुनर्वसु 21-20 **20** श्रावण कृष्णा 30	चित्रा 11-03 अष्टमी **27** श्रावण शुक्ल 7-8
मंगल TUE	पंचक 8 जुलाई, बुधवार दोपहर 12.30 बजे से 13 जुलाई, सोमवार दोपहर 11.13 बजे तक		श्रवण 23-56 **7** श्रावण कृष्णा 2	अश्विनी 14-06 **14** श्रावण कृष्णा 9	पुष्य 20-29 **21** श्रावण शुक्ल 1	स्वाति 09-40 **28** श्रावण शुक्ल 9
बुध WED	विशाखा 26-33 **1** आषाढ़ शुक्ल 11		धनिष्ठा 25-14 **8** श्रावण कृष्णा 3	भरणी 16-42 **15** श्रावण कृष्णा 10	आश्लेषा 19-15 **22** श्रावण शुक्ल 2	विशाखा 08-32 **29** श्रावण शुक्ल 10
गुरु THU	अनुराधा 25-13 **2** आषाढ़ शुक्ल 12		शतभिषा 27-08 **9** श्रावण कृष्णा 4	कृतिका 18-52 **16** श्रावण कृष्णा 11	मघा 17-43 **23** श्रावण शुक्ल 3	अनुराधा 07-40 **30** श्रावण शुक्ल 11
शुक्र FRI	ज्येष्ठा 24-07 **3** आषाढ़ शुक्ल 13		पूभा 29-32 **10** श्रावण कृष्णा 5	रोहिणी 20-27 **17** श्रावण कृष्णा 12	पूफा 16-02 **24** श्रावण शुक्ल 4	ज्येष्ठा 07-04 **31** श्रावण शुक्ल 12
शनि SAT	मूल 23-21 चतुर्दशी **4** पक्खी आषाढ़ शुक्ल 14		उभा 00-00 बैंक अवकाश **11** श्रावण कृष्णा 6	मृगशिरा 21-22 **18** श्रावण कृष्णा 13	उफा 14-17 बैंक अवकाश **25** श्रावण शुक्ल 5	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–जुलाई

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	5.51	5.36	6.06	5.47
	16	5.57	5.43	6.11	5.51
सूर्यास्त	01	7.32	7.24	7.18	6.38
	16	7.31	7.22	7.18	6.38
नवकारसी	01	6.39	6.24	6.54	6.35
	16	6.45	6.31	6.59	6.39
पोरसी	01	9.17	9.03	9.24	9.00
	16	9.21	9.08	9.28	9.03

जैन पर्व

- 04 जुलाई भ. वासुपूज्य निर्वाण कल्याणक (आषाढ़ शु.14) आषाढ़ी चातुर्मासिक पर्व (चातुर्मास प्रारम्भ)
- 08 जुलाई भ. श्रेयांसनाथ निर्वाण कल्याणक (श्रावण कृ.3)
- 12 जुलाई भ. अनन्तनाथ च्यवन कल्याणक (श्रावण कृ.7)
- 13 जुलाई भ. नमिनाथ जन्म कल्याणक (श्रावण कृ.8)
- 14 जुलाई भ. कुंथुनाथ च्यवन कल्याणक, भ. नमिनाथ दीक्षा कल्याणक (श्रावण कृ.9)
- 20 जुलाई आचार्यप्रवर पूज्यश्री शोभाचन्द्र जी म.सा. की 94वीं पुण्यतिथि (श्रावण कृष्ण 30)
- 22 जुलाई भ. सुमतिनाथ च्यवन कल्याणक (श्रावण शु.2)
- 25 जुलाई भ. अरिष्टनेमि जन्म कल्याणक (श्रावण शु.5)
- 26 जुलाई भ. अरिष्टनेमि दीक्षा कल्याणक (श्रावण शु.6)
- 27 जुलाई भ. पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक (श्रावण शु.8)

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रत्नसंघ एप्प में नये फीचर्स :

देव गुरु धर्म की प्रार्थना - स्तुति प्रतिदिन करनी चाहिए। उसी कड़ी में प्रार्थनाओं की राग को समझने के लिए याद करने के लिए अब ऑडियो फॉर्मेट में भी। जहाँ गुरु भगवंत हो वहाँ प्रार्थना स्थानक में जाकर गुरु भगवंतो की शरण में करें।

प्रार्थना/भजन

आओ भगवन आओ

तर्ज: बच्चे मन के सच्चे

आओ भगवन् आओ, इस अन्तर मन में आओ।
मेरे जीवन के कण कण में, बनकर प्राण समाओ।
लिया तुम्हारा शरणा है, मोह निराकृत करना है।
इसने मुझको मारा है, तुमने इसे संहारा है।
तब ही जिन कहलाते हो, सब को राह दिखाते हो
बनकर निर्देशक इस रण में, मुझको विजय दिलाओ।।1 ।।आओ...
चारों ओर अँधेरा है, एक सहारा तेरा है,
जीवन सूना सूना है, पिछड़ा दूना दूना है।
बुझा हुआ हूँ दीप प्रभु, आया आज समीप प्रभु
तुम जलते दीपक हो, मुझको अपने तुल्य बनाओ।।2 ।।आओ...
निज को इतना भूल गया, बिल्कुल ही बन धूल गया,
आसमान का तारा हूँ, इस धरती से न्यारा हूँ।
इस जग में विच्छेद मिले, तेरा मुझे अभेद मिले,
अपनी ऊँची श्रेणी में अब, मुझको भी बिठलाओ ।।3 ।।आओ...
बोधि बीज जो पाया है, तरु बनकर मुस्काया है,
सत्य ज्ञान का हो सिंचन, झंझाओं से हो रक्षण।
फल आने की ऋतु आए, भव्य साधना बन जायें,
पत्रित पुष्पित और फलित हो, वो, करुणा रस बरसाओ ।।4 ।।आओ...

प्रत्येक श्रावक को यह सोचना चाहिए कि वह दिन धन्य होगा, जिस दिन अपने परिग्रह में से थोड़ा दान शुभ कार्यों के लिए निकालूंगा ।- **आचार्य हस्ती**

With Best Compliments :

Dosi Devkaran Shrichand Jain

DOSI BROTHER'S

Commission Agent

Merta City (Raj.)

Hastimal Dosi 94133-68997
Nemichand Dosi 94141-19152
Sripal Dosi 94141-19156

NATURAL GRANITES

NAVINDRA K MEHTA SIDHIT MEHTA

Exclusive Show Room

FOR GRANITE SLABS MANUFACTURERS, EXPORTERS

C-1/4, Rajouri Garden
Main Ring Road, New Delhi-110027
Ph. : 25116580, 25931777
Fax : 011-25454390, Mobile : 9811013446
Email : natural.delhi27@gmail.com
natural.delhi@yahoo.com

|| जय महावीर ||

|| जय गुरु हीरा || || श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः || || जय गुरु मान ||

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | **अगस्त 2020 AUGUST** | **विक्रम संवत् 2077 श्रावण–भाद्रपद**

भजन और स्तवन जब चाहे चलायें अपने रत्नसंघ एप्प से।

वार					
रवि SUN	उत्रा 13-51 **30** भाद्रपद शुक्ल 12	पूषा 06-51 चतुर्दशी **2** श्रावण शुक्ल 14	रेवती 19-05 **9** भाद्रपद कृष्ण 6	आर्द्रा 07-02 **16** भाद्रपद कृष्ण 12	चित्रा 17-05 **23** भाद्रपद शुक्ल 5
सोम MON	श्रवण 15-03 **31** भाद्रपद शुक्ल 13	उत्रा 07-18 **3** रक्षाबन्धन पक्खी श्रावण शुक्ल 15	अश्विनी 22-05 **10** भाद्रपद कृष्ण 6	पुनर्वसु 06-43 29-42 **17** भाद्रपद कृष्ण 13	स्वाति 15-19 **24** भाद्रपद शुक्ल 6
मंगल TUE	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	श्रवण 08-10 **4** भाद्रपद कृष्ण 1	भरणी 24-56 **11** भाद्रपद कृष्ण 7	आश्लेषा 28-07 चतुर्दशी पक्खी **18** भाद्रपद कृष्ण 14	विशाखा 13-58 **25** भाद्रपद शुक्ल 7
बुध WED	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP	धनिष्ठा 09-29 **5** भाद्रपद कृष्ण 2	कृतिका 27-25 जन्माष्टमी **12** भाद्रपद कृष्ण 8	मघा 26-06 **19** भाद्रपद कृ. 30-शु.1	अनुराधा 13-03 अष्टमी **26** भाद्रपद शुक्ल 8
गुरु THU	पुष्य नक्षत्र 17 अगस्त सोमवार प्रातः 06.44 बजे से से 18 अगस्त मंगलवार प्रातः 06.42 बजे तक	शतभिषा 11-17 **6** भाद्रपद कृष्ण 3	रोहिणी 29-21 **13** भाद्रपद कृष्ण 9	पुफा 23-50 **20** भाद्रपद शुक्ल 2	ज्येष्ठा 12-36 **27** भाद्रपद शुक्ल 9
शुक्र FRI	पंचक 04 अगस्त, मंगलवार रात्रि 08.47 बजे से 09 अगस्त, रविवार सांय 07.05 बजे तक 31 अगस्त, सोमवार शेष रात्रि 03.48 बजे से 05 सितम्बर, शनिवार शेष रात्रि 02.20 बजे तक	पूभा 13-32 **7** भाद्रपद कृष्ण 4	मृगशिरा 00-00 **14** भाद्रपद कृष्ण 10	उफा 21-28 **21** भाद्रपद शुक्ल 3	मूल 12-36 **28** भाद्रपद शुक्ल 10
शनि SAT	मूल 06-47 **1** श्रावण शुक्ल 13	उभा 16-11 बैंक अवकाश **8** भाद्रपद कृष्ण 5	मृगशिरा 06-35 स्वतन्त्रता दिवस **15** पर्युषण पर्व प्रारम्भ भाद्रपद कृष्ण 11	हस्त 19-10 बैंक अवकाश **22** सम्वत्सरी महापर्व भाद्रपद शुक्ल 4	पूषा 13-02 **29** भाद्रपद शुक्ल 11

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–अगस्त

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.05	5.52	6.17	5.55
	16	6.13	5.59	6.21	5.58
सूर्यास्त	01	7.22	7.14	7.13	6.36
	16	7.11	7.03	7.05	6.29
नवकारसी	01	6.53	6.40	7.05	6.43
	16	7.01	6.47	7.09	6.46
पोरसी	01	9.25	9.13	9.31	9.06
	16	9.28	9.15	9.32	9.06

जैन पर्व

- 03 अगस्त भ. मुनिसुव्रत च्यवन कल्याणक (श्रावण शु.15)
- 11 अगस्त भ. शांतिनाथ च्यवन कल्याणक, भ. चन्द्रप्रभ निर्वाण कल्याणक (भाद्रपद कृ.7)
- 12 अगस्त भ. सुपार्श्वनाथ च्यवन कल्याणक (भाद्रपद कृ 8)
- 15 अगस्त पर्युषण पर्व प्रारम्भ
- 22 अगस्त सम्वत्सरी महापर्व
- 27 अगस्त भ. सुविधिनाथ निर्वाण कल्याणक (भाद्रपद शु.9)

प्रार्थना/भजन

ये पर्व पयुर्षण आया

यह पर्व पर्युषण आया, सब जग में आनंद छाया रे ।।टेर ।।
यह विषय कषाय घटाने, यह आतम गुण विकसाने ।
जिनवाणी का बल लाया रे, यह... ।। 1 ।।
यह जीव रुले चहुँ गति में, ये पाप करण की रति में ।
निज गुण सम्पद को खोया रे, यह ।। 2 ।।
तुम छोड़ प्रमाद मनाओ, नित धर्म ध्यान रम जाओ ।
लो भव-भव दुरूख मिटाया रे, यह... ।। 3 ।।
जप तप से कर्म खपाओ, दे दान द्रव्य फल पाओ ।
ममता त्यागी सुख पाया रे, यह... ।। 4 ।।
मूरख नर जन्म गमावे, निन्दा विकथा मन भावे ।
इनसे ही गोता खाया रे, यह ... ।। 5 ।।
जो दानशील आराधें, तप द्वादश भेदे साधें ।
शुद्ध मन जीवन सरसाया रे, यह... ।। 6 ।।
बेला, तेला और अठायों, संवर-पौषध करे मन भाया ।
शुद्ध पालो शील सवाया रे, यह... ।। 7 ।।
तुम विषय-कषाय घटाओ, मन मलिन भाव मत लाओ ।
निन्दा विकथा तज माया रे, यह... ।। 8 ।।
कोई आलस में दिन खोवे, शतरंज तास रमे या सोवे ।
पिक्चर में समय गमाया रे, यह... ।। 9 ।।
संयम की शिक्षा लेना, जीवों की जयणाँ करना ।
जो जैन धर्म तुम पाया रे, यह... ।। 10 ।।
जन-जन-का मन हरषाया, बालक गण भी हुलसाया ।
आत्म-शुद्धि हित आया रे, यह... ।। 11 ।।
समता से मन को जोड़ो, ममता का बंधन तोड़ो ।
है सार ज्ञान का पाया रे, यह... ।। 12 ।।
सुरपति भी स्वर्ग से आवे, हर्षित हो जिन गुण गावे ।
जन-जन को अभय दिलाया रे, यह... ।। 13 ।।
''गुजमुनि'' निज मन समझावे, यह सोई शक्ति जगावे ।
अनुभव रस पान कराया रे, यह... ।। 14 ।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

सामायिक में जरूरी बातें

1. मन की शिथिलता-मन को विकल्पों से खाली कर देना।
2. शरीर की शिथिलता-शरीर को तनावों से मुक्त कर देना
3. प्रकम्पों का अग्रहण जैसे ही मन समभाव से जाता है, प्रकम्पन बंद हो जाते है।

प्रभात के समय अवश्य वीतराग का ध्यान करो, चिन्तन करो, स्मरण करो और वीतराग की प्रार्थना करके बल प्राप्त करो।- आचार्य हस्ती

|| जय गुरु हस्ती || || जय गुरु हीरा मान ||

Jewelroof

From the house of

R S BAFNA JEWELLERS

1697/1A, 1st Floor, Nayantara-2, Bhavani Peth, Jalgaon - 425001 (MS) INDIA.
T : +91 257 2223337 / 8 / 9 M : +91 9423883337 / 8 / 9
W : www.bafnajewellers.com E : rsbafnajewellers@gmail.com
Shop online @ www.jewelroof.com
Be Vegetarian - Be Happy संयम ही जीवन है – जिनवाणी

JVS Foods Pvt Ltd.
Nutrition Foods, Breakfast Cereals, Fortified Rice Kernels
G-220, Sitapura Inudstrial Area
Tonk Road, Jaipur - 302 022
Ph. : +91 141 2770294
E-mail: jvsfoods@yahoo.com

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546

सितम्बर 2020 SEPTEMBER

विक्रम संवत् 2077
भाद्रपद-प्र. आश्विन

पच्चक्खाण लेने के पाठ और विधि रत्नसंघ एप्प पर उपलब्ध है।

वार					
रवि SUN	रवि पुष्य नक्षत्र 13 सितम्बर रविवार दोपहर 04.34 बजे से 14 सितम्बर सोमवार दोपहर 03.51 बजे तक	अश्विनी 29-23 **6** प्र. आश्विन कृष्णा 4	पुनर्वसु 16-33 **13** प्र. आश्विन कृष्णा 11	स्वाति 22-51 **20** प्र. आश्विन शुक्ल 4	श्रवण 20-49 **27** प्र. आश्विन शुक्ल 11
सोम MON	पंचक 31 अगस्त, सोमवार शेष रात्रि 03.47 बजे से 05 सितम्बर, शनिवार शेष रात्रि 02.20 बजे तक 28 सितम्बर, सोमवार प्रातः 09.40 बजे से 03 अक्टूबर, शनिवार प्रातः 08.50 बजे तक	भरणी 00-00 **7** प्र.आश्विन कृष्णा 5	पुष्य 15-51 **14** प्र. आश्विन कृष्णा 12	विशाखा 20-48 **21** प्र. आश्विन शुक्ल 5	धनिष्ठा 22-37 **28** प्र. आश्विन शुक्ल 12
मंगल TUE	धनिष्ठा 16-37 चतुर्दशी **1** पक्खी प्रतिक्रमण भाद्रपद शुक्ल 14	भरणी 08-25 **8** प्र. आश्विन कृष्णा 6	आश्लेषा 14-24 **15** प्र. आश्विन कृष्णा 13	अनुराधा 19-17 **22** प्र. आश्विन शुक्ल 6	शतभिषा 24-47 **29** प्र. आश्विन शुक्ल 13
बुध WED	शतभिषा 18-33 **2** भाद्रपद शुक्ल 15	कृतिका 11-14 **9** प्र.आश्विन कृष्णा 7	मघा 12-20 चतुर्दशी **16** पक्खी प्रतिक्रमण प्र. आश्विन कृष्णा 14	ज्येष्ठा 18-24 **23** प्र. आश्विन शुक्ल 7	पूभा 27-14 चतुर्दशी **30** प्र. आश्विन शुक्ल 14
गुरु THU	पूभा 20-50 **3** प्र.आश्विन कृष्णा 1	रोहिणी 13-38 अष्टमी **10** प्र. आश्विन कृष्णा 8	पूफा 09-47 **17** प्र. आश्विन कृष्णा 30	मूल 18-09 श्राविका गौरव दिवस - संस्कार बोध दिवस **24** अष्टमी प्र. आश्विन शुक्ल 8	
शुक्र FRI	उभा 23-27 **4** प्र.आश्विन कृष्णा 2	मृगशिरा 15-24 **11** प्र. आश्विन कृष्णा 9	उफा 06-59 28-06 **18** प्र. आश्विन शुक्ल 1	पूषा 18-30 **25** प्र. आश्विन शुक्ल 9	
शनि SAT	रेवती 26-20 **5** प्र.आश्विन कृष्णा 3	आर्द्रा 16-24 बैंक अवकाश **12** प्र. आश्विन कृष्णा 10	चित्रा 25-19 **19** प्र. आश्विन शुक्ल 2-3	उषा 19-25 बैंक अवकाश **26** प्र. आश्विन शुक्ल 10	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका-सितम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.19	6.06	6.25	5.59
	16	6.25	6.14	6.28	5.59
सूर्यास्त	01	6.57	6.48	6.53	6.20
	16	6.41	6.30	6.41	6.09
नवकारसी	01	7.07	6.54	7.13	6.47
	16	7.13	7.02	7.16	6.47
पोरसी	01	9.29	9.17	9.32	9.05
	16	9.29	9.18	9.32	9.02

जैन पर्व

01 सितम्बर अनन्त चतुर्दशी (भाद्रपद शुक्ल 14)
17 सितम्बर भ. अरिष्टनेमि केवल कल्याणक (आश्विन कृ.30)
24 सितम्बर श्राविका गौरव दिवस-संस्कार बोध दिवस

प्रार्थना/भजन

नवकार मंत्र है महामंत्र

नवकार मंत्र हैं महामंत्र, इस मंत्र की महिमा भारी है।
आगम में कथी गुरुवर से सुनी, अनुभव में जिसे उतारी है ।। टेर ।।
अरिहंताणं पद पहला है, अरि आरती दूर भगाता है,
सिद्धाणं सुमिरण करने से, मन इच्छित सिद्धि पाता है।
आयरियाणं तो अष्ट सिद्धि, और नव निधि के भण्डारी है ।। 1 ।।
उवज्झायाणं अज्ञान तिमिर, हर ज्ञान प्रकाश फैलाता है,
सव्वसाहूणं सब सुखदाता, तन मन को स्वस्थ बनाता है।
पद पांच के सुमिरण करने से, मिट जाती सकल बिमारी है ।। 2 ।।
श्रीपाल सुदर्शन मेणरया, जिसने भी जपा आनंद पाया,
जीवन के सूने पतझड़ में, फिर फूल खिले सौरभ छाया।
मन नंदन वन में रमण करे, वह ऐसा मंगलकारी है ।। 3 ।।
नित्य नई बधाई सुने कान, लक्ष्मी वरमाला पहनाती,
'अशोक मुनि' जय-विजय मिले, शांति प्रसन्ता बढ़ जाती।
सम्मान मिले सत्कार मिले, भव जल से नैया तारी है ।। 4 ।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

मन की निर्मलता का नष्ट होना, मन में अकृत्य कार्य करने का संकल्प करना अतिक्रम है। अयोग्य कार्य करने के संकल्प को कार्य रूप में परिणत करने और व्रत के उल्लंघन को तैयार होना व्यतिक्रम है। विषयों की ओर आकृष्ट वश व्रत भंग कर देना अनाचार है। अतः व्रत का अंशत, भंग अतिचार एवं सर्वतः भंग अनाचार है।

पारिवारिक शान्ति वहीं कायम रहती है, जहां परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने सुख को गौण और दूसरे के सुख को मुख्य मानकर व्यवहार करता है।- **आचार्य हस्ती**

जय गुरु हीरा जय गुरु हस्ती जय गुरु मान

With Best Compliments From :
Amit & Ashish Kumbhat (Lokesh)
KUMBHAT DEVELOPERS
Reg. Office :
Osho Tower, Gaurav Path, Jodhpur-342003,
Ph. 0291-2542948
Mob. 09828027770, 08003341180
Email - kumbhatashish@rediffmail.com

JVS Foods Pvt Ltd
Nutrition Foods, Breakfast Cereals, Fortified Rice Kernels

G-220, Sitapura Inudstrial Area
Tonk Road, Jaipur - 302 022
Ph. : +91 141 2770294
E-mail: jvsfoods@yahoo.com

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2546 | **अक्टूबर 2020 OCTOBER** | विक्रम संवत् 2077 प्र.आश्विन–द्वि.आश्विन

संघ एप्प में अपना सारा डेटा सही भरें और अपनी प्रतिष्ठा और व्यवसाय बढ़ता देखें।

वार					
रवि SUN	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	अश्विनी 11-51 **4** द्वि. आश्विन कृष्ण 2	पुष्य 25-18 **11** द्वि. आश्विन कृष्ण 9	स्वाति 08-50 30-07 **18** द्वि. आश्विन शुक्ल 2	धनिष्ठा 28-22 विजयादशमी **25** द्वि. आश्विन शुक्ल 9
सोम MON	रवि पुष्य नक्षत्र 10 अक्टूबर शनिवार रात्रि : 01.18 बजे से 11 अक्टूबर रविवार रात्रि 01.18 बजे तक	भरणी 14-55 **5** द्वि. आश्विन कृष्ण 3	आश्लेषा 24-29 **12** द्वि. आश्विन कृष्ण 10	अनुराधा 27-51 **19** द्वि. आश्विन शुक्ल 3	शतभिषा 30-36 **26** द्वि. आश्विन शुक्ल 10
मंगल TUE	पंचक 28 सितम्बर, सोमवार प्रातः 09.41 बजे से 03 अक्टूबर, शनिवार प्रातः 08.50 बजे तक 25 अक्टूबर रविवार दोपहर 03.25 बजे से 30 अक्टूबर शुक्रवार दोपहर 02.56 बजे तक	कृतिका 17-53 **6** द्वि. आश्विन कृष्ण 4	मघा 22-54 **13** द्वि. आश्विन कृष्ण 11	ज्येष्ठा 26-11 **20** द्वि. आश्विन शुक्ल 4	पूभा 00-00 **27** द्वि. आश्विन शुक्ल 11
बुध WED		रोहिणी 20-35 **7** द्वि. आश्विन कृष्ण 5	पूफा 20-40 **14** द्वि. आश्विन कृष्ण 12	मूल 25-12 **21** द्वि. आश्विन शुक्ल 5	पूभा 09-10 **28** द्वि. आश्विन शुक्ल 12
गुरु THU	उभा 29-56 **1** प्र. आश्विन शुक्ल 15	मृगशिरा 22-49 **8** द्वि. आश्विन कृष्ण 6	उफा 17-57 चतुर्दशी **15** द्वि. आश्विन कृष्ण 13-14	पूषा 24-58 **22** द्वि. आश्विन शुक्ल 6	उभा 11-59 **29** द्वि. आश्विन शुक्ल 13
शुक्र FRI	रेवती 00-00 गांधी जयन्ती **2** द्वि. आश्विन कृष्ण 1	आर्द्रा 24-26 **9** द्वि. आश्विन कृष्ण 7	हस्त 14-57 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **16** द्वि. आश्विन कृष्ण 30	उषा 25-27 **23** द्वि. आश्विन शुक्ल 7	रेवती 14-56 चतुर्दशी **30** द्वि. आश्विन शुक्ल 14
शनि SAT	रेवती 08-50 **3** द्वि. आश्विन कृष्ण 2	पुनर्वसु 25-17 बैंक अवकाश अष्टमी **10** द्वि. आश्विन कृष्ण 8	चित्रा 11-51 नवरात्र स्थापना **17** द्वि. आश्विन शुक्ल 1	श्रवण 26-37 बैंक अवकाश अष्टमी **24** दुर्गा नवमी द्वि. आश्विन शुक्ल 8	अश्विनी 17-57 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **31** द्वि. आश्विन शुक्ल 15

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–अक्टूबर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.31	6.21	6.30	6.00
	16	6.38	6.28	6.34	6.01
सूर्यास्त	01	6.24	6.13	6.27	5.58
	16	6.09	5.57	6.15	5.49
नवकारसी	01	7.19	7.09	7.18	6.48
	16	7.26	7.16	7.22	6.49
पोरसी	01	9.31	9.19	9.30	9.00
	16	9.31	9.21	9.30	8.58

जैन पर्व

- 23 अक्टूबर — आयम्बिल ओली प्रारम्भ, स्वाति नक्षत्र प्रारम्भ (इसके पश्चात् गाज बीज होने पर सूत्र की असज्झाय रहेगी)
- 26 अक्टूबर — आचार्यप्रवर पूज्य श्री भूधर जी म.सा. की पुण्यतिथि (आश्विन शु.10)
- 31 अक्टूबर — भ. नमिनाथ च्यवन कल्याणक (आश्विन शु. 15) आयम्बिल ओली पूर्ण।

प्रार्थना/भजन

मेरे अन्तर भया प्रकाश

मेरे अन्तर भया प्रकाश,
नहीं अब मुझे किसी की आश।। टेर।।
काल अनन्त रूलाभव-वनमें, बँधा मोह के पाश।
काम क्रोध मद लोभ भावसे, बना जगत का दास।। 1।।
तन धन परिजन सब ही पर हैं, पर की आश निराश।
पुद्गल को अपना कर मैंने, किया सत्व का नाश।। 2।।
रोग शोक नहीं मुझ को देते, जरा मात्र भी त्रास।
सदा शांतिमय मैं हूँ मेरा, अचल रूप है खास।। 3।।
इस जग की ममता ने, मुझ को डाला गर्भावास।
अस्थि मांस मय अशुद्धि देह में, मेरा हु आनिवास।। 4।।
ममता से संताप उठाया, आज हुआ विश्वास।
भेद ज्ञान की पैनी धार से, काट दिया वह पाश।। 5।।
मोह मिथ्यात्व की गाँठ गले, तब होवे ज्ञान प्रकाश।
'गजेन्द्र' देखे अलख रूप को, फिरन किसी की आश।।6।।

रत्नसंघ के दिव्य सितारे, हस्ती-हीरा-मान हमारे।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

एप्प से संबंधित शंका :

फार्म को भरने या एप्प डाउनलोड करने से मुझे क्या लाभ होगा?

समाधान

जिस प्रकार निदान बिना इलाज संभव नहीं है, उसी प्रकार आंकड़ों के बिना विकास संभव नहीं है। अतः जब विकास होगा तब व्यक्ति स्वतः लाभान्वित होगा।

मन को मजबूत करने के लिए संकल्प आवश्यक है। बिना संकल्प के करणी नहीं होगी और बिना करणी के कर्म नहीं कटेंगे।- **आचार्य हस्ती**

संसार में सफलता का मंत्र है पुण्य और आध्यात्म में सफलता का मन है। पुरूषार्य जगत में बिना धर्म के भी पुण्य होने पर सफल होना संभव है इसलिए गलत काम करने वाले उन्नति कर रहे है तो विचलित मत हो क्योंकि दोनों क्षेत्र अलग है। हालांकि अभी के अधर्म का फल उसे निश्चित तौर पर मिलेगा पर कब नहीं मालूम, अभी तो पुराना पुण्योदय है तो फिर ईर्ष्या मत करो।

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

विनय * विवेक * वात्सल्य

जैन वीर संवत् 2546–47 | **नवम्बर 2020 NOVEMBER** | विक्रम संवत् 2077 कार्तिक

संघ की सभी अधिकृत जानकारियां रत्नसंघ एप्प पर।

रवि SUN	भरणी 20-46 **1** कार्तिक कृष्ण 1	पुष्य 08-44 अष्टमी **8** कार्तिक कृष्ण 7-8	विशाखा 17-15 गोवर्द्धन पूजा **15** कार्तिक कृष्ण 30	धनिष्ठा 11-08 अष्टमी **22** कार्तिक शुक्ल 8	कृतिका 30-02 चतुर्दशी पक्खी प्रतिक्रमण करणी **29** कार्तिक शुक्ल 14
सोम MON	कृतिका 23-49 **2** कार्तिक कृष्ण 2	आश्लेषा 08-41 **9** कार्तिक कृष्ण 9	अनुराधा 14-35 भाईदूज **16** कार्तिक शुक्ल 1-2	शतभिषा 13-04 **23** कार्तिक शुक्ल 9	रोहिणी 00-00 गुरु नानक जयंती **30** कार्तिक शुक्ल 15
मंगल TUE	रोहिणी 26-29 **3** कार्तिक कृष्ण 3	मघा 07-55 30-27 **10** कार्तिक कृष्ण 10	ज्येष्ठा 12-20 संघ समर्पण दिवस संकल्प दिवस **17** कार्तिक शुक्ल 3	पूभा 15-31 **24** कार्तिक शुक्ल 10	नँ
बुध WED	मृगशिरा 28-50 **4** कार्तिक कृष्ण 4	उका 28-24 **11** कार्तिक कृष्ण 11	मूल 10-39 **18** कार्तिक शुक्ल 4	उभा 18-19 **25** कार्तिक शुक्ल 11	रवि पुष्य नक्षत्र 07 नवम्बर, शनिवार प्रातः 08.05 बजे से 08 नवम्बर, रविवार प्रातः 08.44 तक
गुरु THU	आर्द्रा 30-44 **5** कार्तिक कृष्ण 5	हस्त 25-54 **12** कार्तिक कृष्ण 12	पूषा 09-37 **19** कार्तिक शुक्ल 5	रेवती 21-19 **26** कार्तिक शुक्ल 12	पंचक 21 नवम्बर, शनिवार रात्रि 10.25 बजे से 26 नवम्बर गुरुवार रात्रि 09.19 बजे तक
शुक्र FRI	पुनर्वसु 00-00 **6** कार्तिक कृष्ण 6	चित्रा 23-05 **13** कार्तिक कृष्ण 13	उषा 09-21 **20** कार्तिक शुक्ल 6	अश्विनी 24-22 **27** कार्तिक शुक्ल 12	पूर्णिमा के दिन उपवास और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के उपवासों का ध्यान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको मध्य पर इसका स्मरण कराया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।
शनि SAT	पुनर्वसु 08-04 **7** कार्तिक कृष्ण 6	स्वाति 20-08 पक्खी प्रतिक्रमण करणी दीपावली **14** चतुर्दशी बैंक अवकाश कार्तिक कृष्ण 14	श्रवण 09-52 युवा शक्ति दिवस व्यसन मुक्ति दिवस **21** कार्तिक शुक्ल 7	भरणी 27-18 बैंक अवकाश **28** कार्तिक शुक्ल 13	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	ध्यान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–नवम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	6.48	6.38	6.40	6.04
	16	6.58	6.49	6.48	6.10
सूर्यास्त	01	5.55	5.42	6.05	5.41
	16	5.46	5.34	5.59	5.38
नवकारसी	01	7.36	7.26	7.28	6.52
	16	7.46	7.37	7.36	6.58
पोरसी	01	9.35	9.24	9.32	8.59
	16	9.40	9.31	9.36	9.02

जैन पर्व

01 नवम्बर आचार्यप्रवर पूज्य श्री हमीरमल जी म.सा. की 167वीं पुण्यतिथि (कार्तिक कृ.1)
05 नवम्बर भ. संभवनाथ केवल कल्याणक (कार्तिक कृ.5)
07 नवम्बर आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 58वाँ दीक्षा दिवस (कार्तिक शु.6)
08 नवम्बर आचार्यप्रवर पूज्य श्री गुमानचन्द्र जी म.सा. की 219वीं पुण्यतिथि (कार्तिक कृ.8)
12 नवम्बर भ. पद्मप्रभ जन्म कल्याणक, भ. अरिष्टनेमि च्यवन कल्याणक (कार्तिक कृ.12)
13 नवम्बर भ. पद्मप्रभ दीक्षा कल्याणक (कार्तिक कृ.13)
15 नवम्बर भ. महावीर निर्वाण कल्याणक (कार्तिक कृ.30)
16 नवम्बर गौतम प्रतिपदा (कार्तिक शु.1) वीर संवत् 2547 प्रारम्भ
17 नवम्बर भ. सुविधिनाथ केवल कल्याणक (कार्तिक शु.3) संघ समर्पण दिवस – संकल्प दिवस
19 नवम्बर ज्ञान पंचमी (कार्तिक शु.5)
21 नवम्बर युवा शक्ति दिवस – व्यसन मुक्ति दिवस
26 नवम्बर भ. अरनाथ केवल कल्याणक (कार्तिक शु.12)
29 नवम्बर चातुर्मास समापन (चातुर्मासिक पक्खी)
30 नवम्बर वीर लोंकाशाह जयन्ती (कार्तिक शु.15)

प्रार्थना / भजन

जय महावीर प्रभु

जय महावीर प्रभु, स्वामी जय महावीर प्रभु।
जगनायक सुखदायक, अति गंभीर प्रभु।। टेर।।
कुण्डलपुर में जन्में, त्रिशला के जाए, स्वामी-2
पिता सिद्धार्थ राजा, सुर नर हर्षाए ।।1।।
दीनानाथ दयानिधि, है मंगलकारी, स्वामी-2
जगहित संयम धारा, प्रभु पर उपकारी।। 2।।
पापाचार मिटाया, सत्पथ दिखलाया, स्वामी-2
दया धर्म का झण्डा, जग में लहराया।।3।।
अर्जुनमाली गौतम, श्री चन्दनबाला, स्वामी-2
पार जगत से खेड़ा, इनका कर डाला ।। 4।।
पावन नाम तुम्हारा, जगतारण हारा, स्वामी-2
निश दिन जो नर ध्यावें, कष्ट मिटे सारा ।।5।।
करूणा सागर तेरी, महिमा है न्यारी, स्वामी-2
'ज्ञानमुनि' गुण गावे, चरणन बलिहारी ।।6।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

श्रुताराधन का स्थान ज्ञान और तप दोनों में आता है। बारह प्रकार के तप में स्वाध्याय चौथा अन्तरंग तप है, स्वाध्याय द्वारा मन और वाणी का तप होता है। स्वाध्याय से ज्ञानावरणी कर्म का क्षय होता है और सूत्र की वाचना से अशातना रहती है।

सच्चे साधक अपनी गलती को मानने में और उसको गुरुजनों के सामने प्रकट करने में और प्रायश्चित्त लेने में संकोच नहीं करते।– आचार्य हस्ती

संकल्प

मैं जैन हूँ।
मुझे जैन होने पर गर्व है।
देवाधिदेव अरिहन्त भगवान
मेरे देव हैं।
सुसाधु मेरे गुरु हैं।
जहाँ दया है, वहाँ धर्म है।
मैं अपने आपको देव-गुरु-धर्म
एवं संघ के प्रति
समर्पित करता हूँ।

आह्वान

जगो जैनी सुनो बातें, पड़े हो व्यर्थ क्यों बे गम।
जपो इस मंत्र को हरदम, हमारे तुम तुम्हारे हम।।
मही निगन्ध हो नभ भी, कभी निःशब्द हो जाये।
तदपि हम तुम रहे हंसते, मिलायें हाथ को हरदम।।
करोड़ों मिट गये तारे, हवा चलती प्रभाती है।
न सोने का समय यह है, जगत से हट चला है तम।।
पढ़ो इतिहास यदि अपना, खुले जो आपकी आँखें।
तुरंत यह ज्ञान सच्चा हो, किसी से भी न कम थे हम।।

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ का युवक संगठन)

जैन वीर संवत् 2547 — **दिसम्बर 2020 DECEMBER** — **विक्रम संवत् 2077 मार्गशीर्ष–पौष**

तिथि, कैलेंडर, और मैग्ज़ीन सभी आपके साथ हमेशा रत्नसंघ एप्प पर।

रवि SUN	पूर्णिमा के दिन जमीकंद और रात्रि भोजन का त्याग रखें। अपने गुरु के वचनों का मान रखें। रत्न संघ एप्प द्वारा आपको समय पर इसका स्मरण करवा दिया जायेगा अतः एप्प डाउनलोड करें।	आश्लेषा 14-45 **6** मार्गशीर्ष कृष्णा 6	अनुराधा 25-39 चतुर्दशी **13** मार्गशीर्ष कृष्णा 14	शतभिषा 21-00 **20** मार्गशीर्ष शुक्ल 6	कृतिका 13-18 **27** मार्गशीर्ष शुक्ल 13
सोम MON	UPDATE YOUR DATA IN रत्नसंघ APP	मघा 14-31 **7** मार्गशीर्ष कृष्णा 7	ज्येष्ठा 23-25 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **14** मार्गशीर्ष कृष्णा 30	पूभा 23-02 **21** मार्गशीर्ष शुक्ल 7	रोहिणी 15-38 चतुर्दशी **28** मार्गशीर्ष शुक्ल 14
मंगल TUE	रोहिणी 08-30 **1** मार्गशीर्ष कृष्णा 1	पूफा 13-47 अष्टमी **8** मार्गशीर्ष कृष्णा 8	मूल 21-30 **15** मार्गशीर्ष शुक्ल 1	उभा 25-36 अष्टमी **22** मार्गशीर्ष शुक्ल 8	मृगशिरा 17-31 पक्खी प्रतिक्रमण जरूरी **29** मार्गशीर्ष शुक्ल 14
बुध WED	मृगशिरा 10-37 **2** मार्गशीर्ष कृष्णा 2	उफा 12-32 **9** मार्गशीर्ष कृष्णा 9	पूषा 20-03 **16** मार्गशीर्ष शुक्ल 2	रेवती 28-32 **23** मार्गशीर्ष शुक्ल 9	आर्द्रा 18-54 **30** मार्गशीर्ष शुक्ल 15
गुरु THU	आर्द्रा 12-20 **3** मार्गशीर्ष कृष्णा 3	हस्त 10-50 **10** मार्गशीर्ष कृष्णा 10	उषा 19-12 **17** मार्गशीर्ष शुक्ल 3	अश्विनी 00-00 **24** मार्गशीर्ष शुक्ल 10	पुनर्वसु 19-48 **31** पौष कृष्णा 1
शुक्र FRI	पुनर्वसु 13-38 **4** मार्गशीर्ष कृष्णा 4	चित्रा 08-47 30-29 **11** मार्गशीर्ष कृष्णा 11-12	श्रवण 19-03 **18** मार्गशीर्ष शुक्ल 4	अश्विनी 07-35 क्रिसमस डे **25** मार्गशीर्ष शुक्ल 11	पुष्य नक्षत्र 04 दिसम्बर, शुक्रवार दोपहर 01.39 बजे से 05 दिसम्बर, शनिवार दोपहर 02.27 बजे तक 31 दिसम्बर, गुरुवार सांय 07.49 बजे से 01 जनवरी, शुक्रवार सांय 08.14 बजे तक
शनि SAT	पुष्य 14-27 **5** मार्गशीर्ष कृष्णा 5	विशाखा 28-04 बैंक अवकाश **12** मार्गशीर्ष कृष्णा 13	धनिष्ठा 19-39 **19** मार्गशीर्ष शुक्ल 5	भरणी 10-34 बैंक अवकाश **26** मार्गशीर्ष शुक्ल 12	पंचक 18 दिसम्बर, शुक्रवार प्रातः 07.15 बजे से 23 दिसम्बर, बुधवार शेष रात्रि 04.32 बजे तक

दिनांक	नवकार मंत्र जाप	सामूहिक प्रार्थना	दान	नवकारसी आदि तप
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				

अपने दैनिक जीवन में उन्नति एवं प्रगति के लिए, घर की सुख-शांति एवं नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए उपरोक्त तालिका को भरें तथा विश्लेषण करके आगे बढ़ने का प्रयास करें।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका–दिसम्बर

स्टेण्डर्ड समयानुसार

विषय	दिनांक	जोधपुर	जयपुर	मुम्बई	चेन्नई
सूर्योदय	01	7.11	7.00	6.56	6.17
	16	7.18	7.10	7.06	6.25
सूर्यास्त	01	5.44	5.33	5.59	5.39
	16	5.46	5.35	6.03	5.44
नवकारसी	01	7.59	7.48	7.44	7.05
	16	8.06	7.58	7.54	7.13
पोरसी	01	9.50	9.39	9.42	9.08
	16	9.55	9.47	9.51	9.15

जैन पर्व

- 05 दिसम्बर — भ. सुविधिनाथ जन्म कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.5)
- 06 दिसम्बर — भ. सुविधिनाथ दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ. 6)
- 10 दिसम्बर — भ. महावीर दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.10)
- 11 दिसम्बर — भ.पद्मप्रभ निर्वाण कल्याणक, भ. मल्लीनाथ दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष कृ.11), आचार्यप्रवर पूज्य श्री विनयचन्द जी म.सा. की 105वीं पुण्यतिथि (मार्गशीर्ष कृ.12)
- 16 दिसम्बर — भ.अभिनन्दन जन्म कल्याणक (मार्गशीर्ष शु.2)
- 24 दिसम्बर — भ. अरनाथ जन्म कल्याणक, निर्वाण कल्याणक (मार्गशीर्ष शु.10)
- 25 दिसम्बर — भ. अरनाथ दीक्षा कल्याणक, भ. मल्लिनाथ जन्म कल्याणक, केवल कल्याणक, भ. नमिनाथ केवल कल्याणक, मौन एकादशी (मार्गशीर्ष शु. 11)
- 28 दिसम्बर — भ. संभवनाथ जन्म कल्याणक (मार्गशीर्ष शु.14)
- 30 दिसम्बर — भ. संभवनाथ दीक्षा कल्याणक (मार्गशीर्ष शु. 15)

प्रार्थना / भजन

तुमसे लागी लगन

तुमसे लागी लगन, ले लो अपनी शरण
पारस प्यारा, मेटो मेटोजी संकट हमारा ।। टेर ।।
निश दिन तुमको जपूं, पर से नेहा तजूं,
जीवन सारा, तेरे चरणों में बीते हमारा ।। मेटो... ।। 1 ।।
अश्वसेन के राजदुलारे, वामादेवीके सुत प्राण प्यारे।
सबसे नेहा तोड़ा, जग से मुँह मोड़ा, संयम धारा ।। मेटो.. ।। 2 ।।
इन्द्र और धरणेन्द्र भी आये, देवी पद्मावती मंगल गाये।
आशा पूरो सदा, दुःख नहीं पावे कदा, सेवक धारा ।। मेटो... ।। 3 ।।
जग के दुःख की भी परवाह नहीं है, स्वर्ग सुख की भी चाह नहीं है।
मेटो जन्म मरण, होवे ऐसा यतन, पारस प्यारा। मेटो... ।। 4 ।।
लाखों बार तुम्हें शीश नमाऊँ, जग के नाथ तुम्हें कैसे पाऊँ।
'पंकज' व्याकुल भया, दर्शन बिन यह जिया लागे खारा ।। मेटो... ।। 5 ।।

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

भगवान महावीर के दर्शन का सूत्र है निशल्य होना। जब तक मात्रा का, आकांक्षा का राज्य, मिथ्यादृष्टि का शल्य होता है तब तक धर्म आराधना नहीं की जा सकती है। व्रत स्वीकार नहीं होते।

मन में गांठ बांधकर रखोगे तो साथ में काम करने वालों की गाड़ी आगे नहीं चलेगी, गाड़ी अटक जाएगी।– आचार्य हस्ती

Karan Kumar

aakran
YOUR PERSONAL JEWELLER

No. 47, First Main Road, Sadashivanagar, Lower Palace Orchards,
Bangalore - 560 003
T: 080 40956673 / 700 • M: +91 98451 45641/ 96111 50804
E: info@aakran.in/ www.aakran.in
a a k r a n

ओसवाल मेट्रीमोनी बायोडाटा बैंक
विवाहोत्सुक युवा/युवती तथा पुनर्विवाह उत्सुक उम्मीदवारों की एवं उनके परिवार की पूरी जानकारी यहाँ उपलब्ध है।
Contact : Sangeeta Kumbhat - 99677 77532
ओसवाल मित्र मंडल मेट्रीमोनियल सेंटर
४७, रत्नज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, पहला माला, लेन, विलेपार्ले (प.), मुंबई
फोन : 022 2628 7187 | संगीता कुंभट | oswalmatrimony@gmail.com
सुबह १०.३० से सायं ४.०० बजे तक प्रतिदिन (बुधवार और बैंक छुट्टियों के दिन सेंटर बंद है)

।। जय महावीर ।।

।। जय गुरु हीरा ।। ।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः ।। ।। जय गुरु मान ।।

रत्नसंघ एप्प के विविध आयाम

आधुनिकीकरण के युग में समय के साथ चलते हुए रत्नसंघ द्वारा अपनी आधिकारिक मोबाइल एप्प का शुभारम्भ 22 अप्रेल, 2018 को किया गया। विभिन्न आयामों को एक स्थान पर इस एप्प में उपलब्ध करवाया गया है। इनके उपयोग से सभी संघ-सदस्य विभिन्न प्रकार से लाभान्वित हो सकते हैं।जो सदस्य इस एप्प का उपयोग कर रहे हैं, वे परिवार के सभी सदस्यों को भी इससे जोड़ें तथा अन्य सदस्यों को भी प्रेरणा करें, जिससे रत्नसंघ के सभी सदस्य इस एप्प से लाभान्वित हो सके। ''सिटी एप्प'' भी प्रारम्भ की जा चुकी है, जिसका लाभ संघ की सभी शाखाएं प्राप्त कर सकती है।

रत्नसंघ एप्प : एक नजर में

संघ-सेवा सोपान (दान)
(Online Donation)
संघ की विभिन्न गतिविधियों में आर्थिक सहयोग सीधे मोबाइल से बैंक में।

रत्नसंघीय निर्देशिका
रत्नसंघ परिवार से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारी

विचरण-विहार
रत्नसंघीय संत-सतीवृन्द के विहार के पश्चात् की जानकारी

साधना-आराधना
अपने नित्य-प्रति ग्रहण किए व्रत-प्रत्याख्यानों का लेखा-जोखा

जैन कैलेण्डर
जैन धर्म से संबंधित महत्त्वपूर्ण पर्व, तिथि, त्यौहार तीर्थंकर कल्याणक, रत्नसंघीय महत्त्वपूर्ण पर्व तिथि जानकारी

पच्चक्खाण
आपके वर्तमान स्थान के अनुसार सूर्योदय-सूर्यास्त, नवकारसी, पोरसी आदि की जानकारी तथा पाठ एवं चौघड़िया।

पाठ एवं शब्दार्थ
सामायिक, प्रतिक्रमण सूत्र के सम्पूर्ण पाठ ऑडियो के साथ तथा कठिन शब्दों के अर्थ सहित।

प्रश्न-मंच (Quiz)
सामायिक-प्रतिक्रमण सूत्र एवं शिक्षण बोर्ड की कक्षाओं के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों द्वारा अभ्यास

सुडोकु
सुडोकू एक शाब्दिक वर्ग पहेली है, जो ब्रेन-टिवस्टर है। इससे लोक के सभी साधु-साध्वियों को स्मरण किया जा सकेगा।

पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें
जिनवाणी, स्वाध्याय शिक्षा रत्नम् के अंक तथा सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल द्वारा प्रकाशित पुस्तकें पठन हेतु उपलब्ध।

कहानियाँ एवं प्रार्थनाएँ
विभिन्न धार्मिक कहानियाँ (सचित्र भी) तथा अनेक प्रार्थनाएँ

केन्द्रीय कार्यकारिणी
संघ एवं संघीय संस्थाओं के कार्यकारिणी सदस्यों की जानकारी।

श्रुत-समाधान
धार्मिक जिज्ञासाओं का उचित एवं सटिक समाधान विद्वानों द्वारा

ANDROID APP ON Google play

Download on the App Store

www.ratnasangh.com

विशेष- सभी संघ-सदस्य एप्प में अपनी प्रोफाइल पूर्ण रूप से सही भरें, जिससे संघ को पूर्ण, सही एवं सटिक जानकारी प्राप्त हो सके। एप्प में किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर sanghwebsite@gmail.com पर ई-मेल करें अथवा 7014314096 पर वॉट्सएप्प करें।